

1. मान ले, बीशबहूतियाँ को खोजने वाले प्रसंग की साहिल ने अपनी डापरी में लिखा। उसकी डापरी का वह अंश कल्पना करके लिखें [4]
2. सही मिलान करें। [4]

बाढ़ल बरस लिम ना।	इसलिम वे घर से कुछ समय पहल निकल
बारिश की हवा में उन्हे बीशबहूतियाँ से मिलना था	फिर भी उन्में पानी बचा हुआ था चली-फिरी खून की चारी-चारी बूँदें
बीशबहूतियाँ	हरियाली की गंध घुली हुई थी।

सूचना:- पाँचवीं कक्षा का शिष्य आ गया। दोनो छठी में आ गए। यह स्कूल पाँचवीं तक ही था। "साहिल अब तुम कहाँ पढोगे?" वेला ने पूछा। "और तुम कहाँ पढोगी वेला?" साहिल ने पूछा। "मेरे पापा कह रहे थे कि मुझे राजकीय कक्षा पाठशाला में पढाएंगे और तुम?" "मुझे अजब साल अजमेर भेज देंगे, वहाँ एक डॉस्कूल है, घर से दूर वहाँ अकेला रहूँगा।"

3. वेला और साहिल की दोस्ती पर अपना विचार लिखें? [2]
4. कहानी के प्रस्तुत अंश के आधार पर एक दृश्य की पटकथा लिखें [4]
5. "मनुष्य को मनुष्य की तरह जानना है"; इसका मतलब क्या है? कविता के आधार पर व्याख्या करें [3]

- सूचना:- संशोधन करके वाक्य का पुनर्लेखन करें:-
6. वेला के सिर पर पट्टी बाँधा था [1]
7. "बाढ़ल को देखकर घड़ को नहीं कुलाना चाहिए" दूधवाले ने ऐसा क्यों कहा? [2]